निदेशकों की रिपोर्ट

आपके बैंक के निदेशक मंडल को 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आपके बैंक के कारोबार तथा परिचालनों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है.

वित्तीय वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के चलते लोगों के जीवन और आजीविका के समक्ष अभूतपूर्व चुनौतियां आ खड़ी हुईं. इस महामारी के अनिश्चित स्वरूप, अवधि और परिमाण के चलते इसका आशंका से अधिक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पड़ा. फलस्वरूप वैश्विक स्तर पर सरकारों और केन्द्रीय बैंकों से अभूतपूर्व स्तर पर नीतिगत कार्यवाही की आवश्यकता महसूस की गई. भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी महामारी का बहुविध असर पड़ा. इन आर्थिक व्यवधानों के कारण अन्य क्षेत्रों की तरह बैंकिंग क्षेत्र को भी चुनौतियों और अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ा. तथापि, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक के सामयिक और समन्वयी हस्तक्षेप से आर्थिक गतिविधियों के क्रमिक पुनरुत्थान का मार्ग प्रशस्त हो सका. नीतिगत कार्यवाही स्पष्ट रूप से अर्थव्यवस्था को सुस्थिर करने और इसे सतत रूप से आगे बढ़ाने के लिए सहयोग प्रदान करने के लिए की गई थी. इसका प्रमाण वित्तीय वर्ष 2020-21 की तीसरी और चौथी तिमाही में भारत के आर्थिक कार्य-निष्पादन में आए सुधार में देखा जा सकता है. उक्त के कारण सकल देशी उत्पाद (जीडीपी) में क्रमशः 0.5% और 1.6% की वृद्धि हुई. तथापि, वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली और दूसरी तिमाहियों में आई लगातार गिरावट के चलते समग्र वृद्धि कार्य-निष्पादन दब गया और वित्तीय वर्ष 2020-21 में जीडीपी में 7.3% की गिरावट आयी. यद्यपि नीति निर्माताओं द्वारा प्रदान किए गए आर्थिक व मौद्रिक सहयोग से इस महामारी का प्रमुख क्षेत्रों में असर कम होने में मदद मिली, किंतु वर्ष की दूसरी छमाही में प्रतिबंधों के वापस लिए जाने के बाद ही आर्थिक कार्यकलापों में तेजी आ पायी थी. चूंकि अर्थव्यवस्था को संवृद्धि की राह पर पहुंचना अभी शेष है, इसलिए आपके बैंक के कार्य-निष्पादन को इसी परिप्रेक्ष्य में देखना होगा.

वित्तीय विशेषताएं

यथा 31 मार्च 2021 को आपके बैंक की कुल जमाराशियां और अग्रिम क्रमशः ₹ 2,30,898 करोड़ तथा ₹ 1,28,150 करोड़ रहे. समीक्षाधीन अवधि के दौरान आपके बैंक के कार्य-निष्पादन की प्रमुख विशेषताएं तालिका 1 में दी गई हैं:

तालिका 1 : प्रमुख वित्तीय विशेषताएं

(₹ करोड़ में)

	यथा 31 मार्च 2020 की स्थिति	यथा 31 मार्च 2021 की स्थिति
पूंजी	10,381	10,752
रिज़र्व और अधिशेष	23,644	26,059
जमाराशियां	2,22,424	2,30,898
उधार राशियां	36,749	15,908
अन्य देयताएं और प्रावधान	6,730	14,147
कुल देयताएं	**2,99,928**	**2,97,764**
नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	10,539	13,013
बैंकों के पास शेष और मांग एवं अल्प सूचना पर देय राशि	19,892	22,209
निवेश	81,780	81,023
अग्रिम	1,29,842	1,28,150
अचल और अन्य आस्तियां	57,875	53,369
कुल आस्तियां	**2,99,928**	**2,97,764**

इस अवधि में	**2019-20**	**2020-21**
कुल आय	25,295	24,557
कुल व्यय (प्रावधान को छोड़कर)	20,183	17,466
प्रावधान (कर छोड़कर)	14,079	4,722
कर पूर्व लाभ/ (हानि)	(8,967)	2,369
कर के लिए प्रावधान *	3,920	1,009
कर पश्चात् लाभ/ (हानि)	(12,887)	1,359

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपके बैंक की कुल आय ₹ 24,557 करोड़ रही जिसमें ₹ 19,932 करोड़ की ब्याज आय और ₹ 4,625 करोड़ की अन्य आय शामिल है. ₹ 17,466 के कुल व्यय (प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं को छोड़कर) में ब्याज व्यय ₹ 11,414 करोड़ और परिचालनगत व्यय ₹ 6,052 करोड़ रहा.

अनर्जक आस्तियों (एनपीए) के लिए प्रावधान का प्रतिवर्तन किए जाने के कारण वर्ष के दौरान आपके बैंक का कुल प्रावधान घट गया. प्रावधानों में एनपीए, बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋणों तथा निवेशों के लिए प्रावधान के प्रति ₹ 2,395 करोड़ की राशि शामिल है. निवल ब्याज आय (एनआईआई), अन्य आय में वृद्धि और परिचालन व्यय व प्रावधान में कमी होने के कारण आपके बैंक को वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 1,359 करोड़ का निवल लाभ हुआ.

जहां वर्ष के दौरान प्रति शेयर उपार्जन (ईपीएस) ₹ 1.30 रहा, वहीं मार्च 2021 के अंत में प्रति शेयर बही मूल्य (अमूर्त आस्तियों और डीटीए को छोड़कर) ₹ 14.83 रहा.

महामारी की मौजूदा *'दूसरी लहर'* के कारण भारत में कोविड-19 के मामलों में हुई उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी और अनिश्चितताओं के इस माहौल के आगे भी जारी रहने की आशंका को देखते हुए आपके बैंक के निदेशक मण्डल ने अपनी 03 मई 2021 को सम्पन्न बैठक में 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए किसी लाभांश का प्रस्ताव न रखने का विचार किया है.

यथा 31मार्च 2021 को समेकित वित्तीय विवरण में शामिल सहायक संस्थाओं और संयुक्त उद्यम के कार्य-निष्पादन और वित्तीय स्थिति पर रिपोर्ट

संस्था का नाम	निवल आस्तियां अर्थात् कुल आस्तियों में से कुल देयताएं घटाकर		लाभ या हानि में हिस्सा	
	समेकित निवल आस्तियों के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित लाभ या हानि के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)
मूल: आईडीबीआई बैंक लि.	97.54%	36,811.07	89.79%	1,359.46
सहायक संस्थाएं:				
भारतीय:				
1. आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्युरिटीज लि.	0.83%	312.76	0.50%	7.51
2. आईडीबीआई इंटेक लि.	0.24%	90.06	0.80%	12.07
3. आईडीबीआई असेट मैनजमेंट लि.	0.30%	113.38	0.30%	4.53
4. आईडीबीआई एमएफ ट्रस्टी कंपनी लि.	0.00%	1.61	0.00%	0.03
5. आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लि.	0.66%	249.41	2.65%	40.09
विदेशी:	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
सभी सहायक संस्थाओं में अल्पसंख्यक हित	0.30%	112.98	1.20%	18.16
सहायक कंपनियां (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)#				
भारतीय:				
1. बायोटेक कंसोर्शियम इंडिया लि.	लागू नहीं	लागू नहीं	0.00%	0.00
2. नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉज़िटरी लि.	लागू नहीं	लागू नहीं	5.51%	83.46
3. पूर्वोत्तर विकास वित्त निगम लि.	लागू नहीं	लागू नहीं	0.00%	0.00
4. पांडिचेरी इंडस्ट्रियल प्रमोशन डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लि. (पीआईपीडीआईसीएल)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
विदेशी:	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
संयुक्त उद्यम (आनुपातिक समेकन के अनुसार/ इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)				
भारतीय:				
1. एजीस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	0.69%	259.65	2.19%	33.22
विदेशी:	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल	**100.56%**	**37,950.91**	**100.54%**	**1,522.22**
विलोपन	-0.56%	-209.89	-0.54%	-8.25
निवल कुल	**100.00%**	**37,741.02**	**100.00%**	**1,513.97**

टिप्पणी: उपर्युक्त किसी भी सहायक कंपनियों की कोई सहायक कंपनी नहीं है.

 # - चार सहायक कंपनियों यथा - नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉज़िटरी लि. (26.10%), पूर्वोत्तर विकास वित्त निगम लि. (25%), बायोटेक कंसोर्शियम इंडिया लि. (27.93%) तथा पांडिचेरी इंडस्ट्रियल प्रमोशन डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लि. (21.14 %) के वित्तीय वर्ष 2020-21 के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण की अप्राप्ति के कारण उनके वित्तीय परिणामों पर समेकन हेतु विचार नहीं किया गया है, जिसका समेकित वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं है. पांडिचेरी इंडस्ट्रियल प्रमोशन डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लि. के मामले में निवेश बट्टाकृत कर ₹ 1 कर दिया गया है.

आईडीबीआई बैंक की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन और वचनबद्धताएं, यदि कोई हों, जो वित्तीय वर्ष के अंत और बोर्ड की रिपोर्ट की तारीख के दौरान उत्पन्न हुई हों.

बैंक के वित्तीय वर्ष के अंत में अर्थात 31 मार्च 2021 को और निदेशकों की रिपोर्ट की तारीख के बीच आईडीबीआई बैंक की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन और वचनबद्धताएँ नहीं थीं.

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता से संबंधित विवरण

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(3) (i) के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 से सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में यह दर्शाया जाना चाहिए कि वित्तीय विवरणों के संदर्भ में क्या बैंक के पास समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसी) प्रणाली उपलब्ध है तथा क्या ऐसे नियंत्रण की परिचालनात्मक प्रभावशीलता है. कंपनी अधिनियम की धारा 143(3)(i) में संदर्भित आईएफसी से आशय वित्तीय रिपोर्टिंग में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसीओ-एफआर) से है. बैंक का प्रबंधन वित्तीय रिपोर्टिंग में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के बारे में बैंक में स्थापित उन मानदंडों के अनुसार आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने व बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है, जो दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी आईएफसी-एफआर के लेखापरीक्षण पर वर्णित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए बनाए गए हैं. इन जिम्मेदारियों में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा, कार्यान्वयन व निर्वहन शामिल है, जो बैंक की नीतियों के अनुपालन, आस्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम व पता लगाने, लेखांकन रिकॉर्ड की शुद्धता और सक्षमता तथा कंपनी अधिनियम, 2013, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 और आरबीआई द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार विश्वसनीय वित्तीय सूचना की सामयिक तैयारी करने सहित अपने कारोबार के नियमानुसार व प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचलित थे.

आपके बैंक ने मौजूदा आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली के मूल्यांकन के लिए आईएफसीओ-एफआर रूपरेखा तैयार की है और सभी कारोबार वर्टिकलों/विभागों के नियंत्रण की रिपोर्टिंग प्रक्रिया, प्रमाणन, दस्तावेजीकरण, अनुपालन के वैधीकरण और वित्तीय रिपोर्टिंग के संबंध में सभी महत्वपूर्ण संदर्भों में बैंक में नियंत्रणों की पर्याप्तता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए सलाहकार को नियुक्त किया है.

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, बैंक के आईएफसीओ-एफआर रूपरेखा के अनुसार सभी अंतर्निहित प्रक्रियाओं के परीक्षण और वैधीकरण के पश्चात् सलाहकार ने जून 2020 से दिसंबर 2020 तक की तिमाहियों के लिए आंतरिक अनुपालन प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर दिया है. सलाहकार ने 31 दिसंबर 2020 के अनुसार 570 जोखिम नियंत्रण मानकों के अनुपालन की समीक्षा की तथा आगे अनुपालन हेतु पाँच मामले देखने की रिपोर्ट दी है. संबंधित विभाग विचाराधीन मुद्दों का समाधान करने के लिए ध्यानपूर्वक कार्य कर रहे हैं.

प्रमुख वित्तीय अनुपातों में महत्वपूर्ण परिवर्तनों के विवरण (अर्थात् गत वर्ष की तुलना में 25% या अधिक बदलाव) तथा उन पर विस्तृत स्पष्टीकरण:

विवरण	2019-20	2020-21	टिप्पणियां
निवल ब्याज मार्जिन (%)	2.61%	3.38%	आयकर रिफ़ंड पर ब्याज राशि वित्तीय वर्ष 2019-20 में ₹ 370 करोड़ थी, उसमें वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹ 943 करोड़ की वृद्धि होकर यह राशि ₹ 1,313 करोड़ हुई, इससे ब्याज आय बढ़ी, वहीं ब्याज व्यय में ₹ 2,433 करोड़ की कमी आई.
आस्तियों पर प्रतिलाभ	-4.26%	0.46%	वित्तीय वर्ष 2019-20 में हुई ₹ 12,887 करोड़ की हानि के मुक़ाबले वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹ 1,359 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया गया है.
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए का %	4.19%	1.97%	निवल एनपीए में रु 2,920 करोड़ की कमी आई है.
ऋण इक्विटी अनुपात	3.16	1.00	भारत और भारत के बाहर उधार राशियों में ₹ 20,841 करोड़ की उल्लेखनीय कमी आई है और नेट वर्थ में ₹ 4,319 करोड़ का सुधार हुआ है.

पूंजी पर्याप्तता

आपका बैंक बासेल-III ढांचे के अंतर्गत आरबीआई के पिलर-I दिशानिर्देशों के अनुसार ऋण, बाजार और परिचालनगत जोखिमों के लिए विनियामक पूंजी आवश्यकता की तिमाही आधार पर गणना करता है. बासेल दिशानिर्देशों के अनुसार भारत में बैंकों के लिए 31 मार्च 2016 से चरणबद्ध तरीके से पूंजी संरक्षण बफर (सीसीबी) बनाए रखना अनिवार्य है. रिज़र्व बैंक की दिनांक 29 सितंबर 2020 की अधिसूचना के अनुसार बासेल-III पूंजी विनियमनों की परिवर्ती व्यवस्थाओं की समीक्षा कर 31 मार्च 2021 को प्रयोज्य सीसीबी 1.875% विनिर्दिष्ट किया गया. तद्नुसार यथा 31 मार्च 2021 को *'कुल पूंजी + सीसीबी'* की न्यूनतम विनियामकीय आवश्यकता 10.875% निर्धारित थी. इसकी तुलना में आपके बैंक का *'कुल पूंजी + सीसीबी'* अनुपात न्यूनतम 15.59% रहा. इसी प्रकार 31 मार्च 2021 को आपके बैंक का *'सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी1) + सीसीबी'* अनुपात 7.375% की विनियामक अपेक्षा की तुलना में 13.06% रहा. 31 मार्च 2021 को आपके बैंक का *'टियर 1 + सीसीबी'* अनुपात 8.875% की विनियामक अपेक्षा की तुलना में 13.06% रहा. यथा 31 मार्च 2021 को आपके बैंक का लीवरेज अनुपात 3.50% की लागू न्यूनतम विनियामक अपेक्षा की तुलना में 6.08% रहा.

आपके बैंक के पास बासेल III ढांचे के पिलर 2 मानदंडों के अनुरूप आंतरिक पूंजी पर्याप्तता अभिनिर्धारण प्रक्रिया (आईसीएएपी) के लिए निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीति है. यह बैंक को पिलर-1 में शामिल नहीं किए गए जोखिमों का आंतरिक रूप से आकलन करने और उनका परिमाण निर्धारित

करने और साथ ही सामान्य तथा दबावग्रस्त स्थितियों में जोखिमों का प्रबंध करने और उन्हें कम करने के लिए उपयुक्त रणनीतियां तैयार करने में समर्थ बनाती है.

आपके बैंक ने रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, एक व्यापक दबाव परीक्षण की रूपरेखा तैयार की है. यह दबाव परीक्षण रूपरेखा आपके बैंक को असाधारण लेकिन संभाव्य घटनाक्रमों में अपने कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करने और अप्रत्याशित आकस्मिकताओं का सामना करने के लिए उपयुक्त अग्रसक्रिय रणनीति बनाने में सक्षम बनाती है. इस रूपरेखा में परिस्थिति विश्लेषण और प्रतिवर्ती दबाव परीक्षण को भी शामिल किया गया है. इस परिस्थिति विश्लेषण से आपके बैंक को पूंजी और लाभप्रदता पर पड़ने वाले प्रतिकूल समष्टिगत आर्थिक संकेतकों का असर समझने में मदद मिलती है. आपके बैंक ने अपनी ऋण सहायता के विभिन क्षेत्रों पर कोविड-19 महामारी के कारण पड़ने वाले उन हानिकारक प्रभावों का आरंभिक आकलन करने के लिए भी अलग से परिदृश्य तैयार किए हैं, जो बैंक की लाभप्रदता पर प्रतिकूल असर डाल सकते हों. इस रूपरेखा में प्रतिवर्ती दबाव परीक्षण प्रणाली शामिल की गई है ताकि पूंजी पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले दबाव का स्तर जान कर इसे पूर्व-निर्धारित स्तर पर लाया जा सके.

आपके बैंक ने बासेल मानदंड की पिलर 3 अपेक्षाओं के अनुसार प्रकटन नीति अपनाई है. तदनुसार प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर प्रकटन को आपके बैंक की वेबसाइट पर रखा जाता है, जिससे उच्च-स्तरीय पारदर्शिता का पता चलता है.

आपका बैंक पूंजी प्रभार की गणना के लिए ऋण जोखिम के अंतर्गत मानकीकृत दृष्टिकोण अपनाता है. आपका बैंक परिचालनगत जोखिम के लिए विनियामक पूंजी प्रभार की गणना हेतु मूलभूत सांकेतिक दृष्टिकोण (बीआईए) अपनाता है. प्रभावी नियंत्रण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कारोबार खंडों में प्रमुख जोखिम संकेतक (केआरआई) और जोखिम व नियंत्रण स्व-आकलन (आरसीएसए) की व्यापक रूपरेखा लागू की गई है. आपका बैंक बाजार जोखिम के लिए विनियामक पूंजी अपेक्षाओं की गणना हेतु मानकीकृत मापन पद्धति (एसएमएम) अपनाता है.

अर्हताप्राप्त संस्थागत स्थानन

आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी (3 री) तिमाही में क्यूआईपी के माध्यम से ₹ 1435.18 करोड़ की इक्विटी पूंजी जुटाई थी. यह 25 वर्षों के अंतराल के बाद (1995 में बैंक का पहला आईपीओ आने के बाद) जनता से जुटाई गई पहली पूंजी थी. इस क्यूआईपी के तहत, चवालीस (44) योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) ने भाग लिया और उन्हें ₹ 28.60/- की प्रति शेयर प्रीमियम राशि पर ₹ 10/- प्रत्येक के 37,18,08,177 (संख्या) पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर जारी किए गए और कुल ₹ 1435.18 करोड़ की राशि जुटाई गई.

कारोबार रणनीति

भारत सरकार द्वारा कोरोना वाइरस की रोकथाम के लिए लगाए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के पहले चरण के दौरान ही वित्तीय वर्ष 2020-21 की शुरुआत हुई. एक अनिवार्य सेवा प्रदाता के रूप में बैंक के लिए सबसे ज्यादा जरूरी यह था कि वह अपने ग्राहकों और कर्मचारियों की सुरक्षा से कोई समझौता किए बगैर व्यवधान-रहित बैंकिंग सेवाएं सुनिश्चित करे. जहां आवश्यक हो वहाँ व्यक्तिगत रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकांश शाखाओं का कोविड-19 प्रोटोकॉल के साथ खुलना सुनिश्चित करने के साथ-साथ आपके बैंक ने ग्राहकों के विभिन्न अनुरोधों पर निरंतर व समयबद्ध कार्रवाई करने के लिए कारोबार प्रोसेस संबंधी अपनी कई गतिविधियां देश के ही अन्य केंद्रों में स्थानांतरित कर दीं. इसके अलावा ग्राहकों को अपने बैंकिंग लेन-देन सम्पन्न करने के लिए डिजिटल व अन्य वैकल्पिक चैनल का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया.

वर्ष के दौरान आपके बैंक ने जोखिम-सहबद्ध कारोबार रणनीति अपनाने पर जोर देना जारी रखा ताकि बदलते परिचालन परिवेश में स्थिर और लाभकारी संवृद्धि सुनिश्चित की जा सके. अपने कारोबार मिश्र का पुनः संतुलन करते हुए स्वयं को खुदरा-केंद्रित बैंक के रूप में स्थापित करने के लिए रणनीतिक पहल के रूप में आपके बैंक ने अपनी आस्ति बही के अंतर्गत संरचित खुदरा आस्तियों (एसआरए), कृषि और एमएसएमई अग्रिमों में वृद्धि पर ज़ोर दिया, वहीं कॉरपोरेट ऋण-सहायता को सीमित किया. देयता के मोर्चे पर, आपके बैंक ने खुदरा जमाराशि आधार को बढ़ाते हुए तथा एकमुश्त मीयादी जमाराशियों पर निर्भरता कम करते हुए कुल जमाराशियों में कम-लागत वाली कासा जमाराशियां बढ़ाने के उपाय किए. भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा बहुलांश शेयरों के अधिग्रहण के बाद आपका बैंक एलआईसी के साथ कारोबार समन्वय के मिले अवसर का पूर्ण दोहन करने के प्रयास कर रहा है. आय सृजन करने के साथ-साथ बैंक ने अपने व्ययों का भी युक्तिसंगत करने के गंभीर प्रयास किए ताकि लाभप्रदता बढ़ाई जा सके.

एक लाभकारी और सतत रूपांतरण सुनिश्चित करने के लिए आस्ति गुणवत्ता के महत्व को समझते हुए आपका बैंक अपनी आस्ति बही में व्याप्त मौजूद दबाव को कमतर करने के लिए आक्रामक रूप से वसूली करने तथा कमजोर आस्ति पोर्टफोलियो का विधिक और विनियामकीय माध्यमों से उन्नयन करने का कार्य कर रहा है. आपके बैंक ने कॉरपोरेट और रिटेल पोर्टफोलियो में वसूली अभियान चलाने के लिए समर्पित टीमें भी तैयार की हैं. इसके अलावा आपके बैंक ने विशेष तत्परता बरतते हुए अपनी ऋण निगरानी प्रणाली को भी सुदृढ़ किया है ताकि इसके पोर्टफोलियो में शुरू हुए किसी भी दबाव पर निगरानी रखी जा सके तथा आस्ति गुणवत्ता में कोई भी क्षरण रोका जा सके. इन पहल कार्यों से आपके बैंक को शुरुआती दबाव कम करने, किसी भी गिरावट को रोकने और ऋण गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिलेगी.

आपके बैंक ने अपनी जोखिम प्रबंधन एवं कॉरपोरेट अभिशासन संरचना को सुदृढ़ करने के लिए कई उपाय किए हैं. इसके अलावा आपका बैंक प्रमुख क़ानूनों, नियमों, विनियमों व विभिन्न आचार संहिताओं का पालन करते हुए एक सशक्त अनुपालन संस्कृति को बढ़ावा देता है ताकि अपनी साख कायम रखते हुए ग्राहकों, निवेशकों और विनियामकों का विश्वास जीता जा सके.

आपका बैंक भारतीय बैंकिंग जगत के सबसे विश्वसनीय और पसंदीदा बैंक बनने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है. तद्नुसार आपके बैंक ने ग्राहक के आह्लाद और अनुभव पर ध्यान देते हुए ग्राहक-केंद्रित रणनीति अपनायी है. आपका बैंक अपनी विभिन्न ग्राहक-अनुकूल उत्पाद व सेवाएं लागू करने तथा ग्राहक की नई जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी डेटा एनालिटिक्स

क्षमताओं का भी उपयोग कर रहा है. इसके अलावा आपके बैंक ने प्रौद्योगिक नवोन्मेषण और उन्नयन में निवेश करना जारी रखा ताकि ग्राहक को बेहतर सेवा व अनुभव मिल सकें. आपका बैंक भारत सरकार के 'संवर्धित पहुँच और सेवा उत्कृष्टता' (ईएएसई) सिद्धांत के प्रति भी प्रतिबद्ध है.

इन रणनीतिक पहल-कार्यों को कई संरचनागत व प्रणालीगत सुधारों से सम्पन्न किया गया, जिनके कारण सहज और सफल रूपांतरण प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त हो सका.

मुख्य कारोबारी पहल-कार्य

आपका बैंक एक ग्राहक-केंद्रित बैंक के रूप में अपने ग्राहकों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंकिंग और निवेश संबंधी कई प्रकार के उत्पाद और सेवाएं पेश करता है. महामारी से उत्पन्न व्यवधानों को कमतर करने के लिए आपके बैंक ने प्रौद्योगिक नवोन्मेष तथा अपनी सॉफ्टवेयर/ हार्डवेयर क्षमताओं का उपयोग करते हुए अपनी डिजिटल क्षमताओं को सुदृढ़ किया. जहां आपका बैंक अपनी 1,886 शाखाओं, 3,388 एटीएम और 58 ई-लाउंज के नेटवर्क का प्रभावी तरीके से लाभ उठाते हुए ग्राहकों की सेवा कर रहा है, वहीं अपनी डिजिटल संरचना को आधुनिक स्वरूप देकर बैंक अपने ग्राहकों को सुरक्षित रूप में डिजिटल व संपर्करहित समाधान उपलब्ध कराते हुए अपने दूरस्थ ग्राहकों से भी जुड़ पा रहा है. इन सक्रिय उपायों से बैंक को विभिन्न सुरक्षा उपायों व सामाजिक दूरी बनाए रखने संबंधी मानदंडों से जरा भी विचलित हुए बगैर अपने ग्राहकों से जुड़े रहने और उन्हें व्यवधान-रहित व सहज सेवा प्रदान करने में मदद मिली है.

ग्राहकों की उभरती प्राथमिकताओं और जरूरतों को देखते हुए आपके बैंक ने व्हाट्सएप बैंकिंग, 'आई क्विक' मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन खाता खोलने, वीडियो केवाईसी (वीएओ) के जरिए खाता खोलने/ पुनः केवाईसी करने, वर्चुअल डेबिट कार्ड, वरिष्ठ नागरिकों एवं अलग प्रकार से सक्षम व्यक्तियों को घर-पहुँच सेवा देने, कृषि व एमएसएमई ऋणों के लिए आधुनिक ऋण प्रक्रिया प्रणाली विकसित करने जैसे नवोन्मेषी उत्पाद व सेवाएं आरंभ की हैं ताकि सहज बैंकिंग व ग्राहक आह्लाद सुनिश्चित किया जा सके.

आपका बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के प्रोत्साहन के महत्व को समझते हुए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र (पीएसएल) को ऋण देने में सक्रियता के साथ योगदान करता रहा है तथा ऐसा करते हुए बैंक आरबीआई के अधिदेश का अनुपालन करता है. आपका बैंक उचित, पारदर्शी तरीके और वहन करने योग्य लागत पर समाज के कमजोर वर्गों को वित्तीय उत्पाद और सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित कराने, ग्राहकों से जुड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का भरपूर इस्तेमाल करने और वित्तीय साक्षरता के माध्यम से ग्राहकों में जागरूकता बढ़ाने के तीन प्रमुख उद्देश्यों के साथ वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय अजेंडे को सक्रियता से आगे बढ़ाता रहा है. आपका बैंक अपने कारोबार प्रतिनिधि (बीसी)/ कारोबार सुलभकर्ता (बीएफ) नेटवर्क का लाभ उठाकर अपने कारोबार को ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में फैलाने का प्रयास कर रहा है. इससे वित्तीय समावेशन के उद्देश्य को पूरा करने के साथ-साथ बैंक के पीएसएल कारोबार को बढ़ाने में भी मदद मिली है.

आपके बैंक ने एलआईसी के कर्मचारियों, एजेंटों और सहायक कंपनियों को उनकी बैंकिंग व निवेश संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए अपनी कई नवोन्मेषी, विशेष और अनुकूल उत्पाद व सेवाओं की पेशकश करते हुए एलआईसी से समन्वय का लाभ उठाया है.

आपका बैंक अपने वृहद कॉरपोरेट, मध्य कॉरपोरेट और खुदरा ग्राहकों के लिए व्यापार वित्त (टीएफ) उत्पादों और सेवाओं की सम्पूर्ण श्रृंखला प्रदान करता है. अपनी रूपांतरण योजना के तहत आपके बैंक ने एक केंद्रीकृत ट्रेड प्रोसेसिंग प्रणाली तैयार की है जो हब एंड स्पोक मॉडल पर मुंबई, चेन्नई और दिल्ली जैसे तीन प्रमुख मेट्रो केंद्रों से परिचालित होकर मानक प्रोसेसिंग, प्रभावी संप्रेषण और न्यूनतम कार्यान्वयन समय को सुकर बनाती है. आपके बैंक के एडी श्रेणी I बैंक के रूप में 39 समर्पित टीएफ केंद्र हैं, जो सभी प्रकार के विदेशी मुद्रा लेन-देनों के लिए प्राधिकृत हैं.

आपका बैंक केंद्र और राज्य सरकारों की प्राप्तियों और भुगतानों के प्रबंधन के लिए उनके एजेंट के रूप में भी कार्य करता है. आपका बैंक चुनिंदा राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में केंद्र सरकार के करों और राज्य प्राप्तियों का संग्रहण करने हेतु प्राधिकृत किया गया है. आपका बैंक अपनी शाखाओं के माध्यम से लघु बचत योजनाओं की पेशकश करने तथा केंद्रीय नागरिक, रक्षा और रेलवे पेंशन वितरित करने हेतु भी प्राधिकृत किया गया है. आपका बैंक कर भुगतान के लिए 24x7 इंटरनेट बैंकिंग सुविधा भी प्रदान करता है. आपका बैंक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की देय राशियों के ऑनलाइन संग्रहण का कार्य भी करता है.

आपका बैंक अत्याधुनिक नकदी प्रबंधन सेवाओं (सीएमएस) के माध्यम से कॉरपोरेट को अपने संग्रहण की गति बढ़ाने, उनके एकमुश्त भुगतान को प्रभावी तरीके से संचालित करने और निधियों के सहज प्रवाह में सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. आपका बैंक कॉरपोरेट की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सीएमएस संग्रहण, भुगतान और संव्यवहार बैंकिंग समाधान की एक व्यापक श्रृंखला पेश करता है ताकि उनका अपनी नकदी स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण रह सके.

आपका बैंक एक समर्पित वित्तीय संस्था समूह (एफआईजी) स्थापित कर रहा है, जो देशी और विदेशी वित्तीय संस्थाओं (एफआई) को बैंक के विभिन्न उत्पाद/ सेवाएं पेश करने पर ध्यान देगा. यह समूह व्यापार, नकदी प्रबंध सेवाओं, भुगतान, ट्रेजरी, फॉरेक्स, डेरिवेटिव्स, मुद्रा बाजार व पूंजी बाजार तथा खुदरा बैंकिंग से संबंधित विभिन्न उत्पाद/ सेवाएं पेश करने के लिए एक कवरेज ग्रुप के रूप में कार्य करेगा. यह एफआईजी विभिन्न एफआई से कवरेज बढ़ाने और एफआई कारोबार बढ़ाने के लिए जुड़ेगा.

महामारी से अर्थव्यवस्था में आई गिरावट के समाधान के लिए आपके बैंक ने सभी पात्र ग्राहकों को ऋण-स्थगन अवधि प्रदान करने, एमएसएमई/ कारोबार उद्यमियों और व्यक्तिगत ऋणियों को कार्यशील पूंजी मीयादी ऋण के माध्यम से अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने, तनावग्रस्त एमएसएमई के प्रवर्तकों को व्यक्तिगत ऋण देने के लिए 'अधीनस्थ ऋण के लिए ऋण गारंटी योजना'

(सीजीएसएसडी) शुरू करने, कोविड-19 के कारण वित्तीय दबाव में आए ऋणियों के लिए ऋण समाधान योजना शुरू करने जैसे ग्राहकों के लिए कई हितकारी कदम उठाए हैं.

आपके बैंक के पास एनालिटिक्स के लिए एक समर्पित डेटा उत्कृष्टता केंद्र है जो कारोबार विश्लेषण, निर्णयगत रणनीतियों, फोरकास्टिंग मॉडलों, मशीन लर्निंग और रूल इंजिनों से संबंधित परियोजनाओं पर काम करता है. आपका बैंक नए ग्राहक जुटाने, ग्राहकों का सूक्ष्म श्रेणीकरण करने, व्यवहार का पैटर्न समझने, सहज-सरल लेन-देन करने, व्यय शैली समझने और जोखिम पोर्टफोलियो आदि के लिए अपनी प्रौद्योगिकी और एनालिटिक्स का इस्तेमाल करता है. डेटा एनालिटिक्स एंड मशीन लर्निंग (एमएल) की सहायता से बैंक को एनालिटिक्स के आधार पर श्रेष्ठ उत्पाद पेश करते हुए नए ग्राहक हासिल करने, उन्हें सेवाएं देने और उन्हें बनाए रखने में मदद मिली है. आपका बैंक इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपने डिजिटल प्रभाव को अधिकतम करने और अपने डिजिटल अभियान को बौद्धिक, असरदार और किफायती बनाने के लिए कर रहा है.

वर्ष के दौरान बैंक द्वारा किए गए पहल कार्यों के विस्तृत ब्योरे वार्षिक रिपोर्ट के प्रबंध विवेचना एवं विश्लेषण खंड में दिए गए हैं.

बैंक के कारोबार पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव

कोविड-19 के लिए सार्स-कोव 2 वाइरस जिम्मेदार है. इसके कारण वैश्विक और भारतीय बाज़ारों और आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय कमी और अस्थिरता आई. लॉकडाउन लगाने और इसे बढ़ाने से कारोबार और आम जीवन प्रभावित हुआ है. कोविड-19 के कारण चूककर्ता ग्राहकों की संख्या बढ़ने और प्रावधानीकरण में वृद्धि होने जैसे संभावित प्रभावों से उभरी चुनौतियों का सामना करने के लिए बैंक हर मोर्चे पर तैयारी कर रहा है. मार्च 2021 के मध्य में शुरू हुई कोविड-19 की दूसरी लहर से उन राज्यों की आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान का संकट उत्पन्न हो गया है, जहां महामारी का असर बहुत व्यापक है और जब तक हालात नहीं सुधरते वहाँ लॉकडाउन बढ़ाने की आशंका है. बैंक की पूंजीगत और नकदी स्थिति सुदृढ़ है और आने वाले समय में बैंक इस पर विशेष ध्यान देना जारी रखेगा.

निदेशक मंडल

आपके बैंक के निदेशक मंडल का आधार व्यापक है और इसका गठन बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949, कंपनी अधिनियम, 2013, बैंक के संस्था अंतर्नियम के प्रावधानों और सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 (एलओडीआर विनियम) में उल्लिखित कॉरपोरेट अभिशासन की अपेक्षाओं द्वारा अभिशासित है. बोर्ड, बैंक के महत्वपूर्ण कार्यात्मक क्षेत्रों में संकेंद्रित अभिशासन प्रदान करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से और साथ ही गठित बोर्ड स्तरीय समितियों के माध्यम से कार्य करता है. संस्था अंतर्नियम के अनुसार निदेशक मंडल में तीन से कम और पंद्रह से अधिक सदस्य नहीं होने चाहिए, जिनमें बैंक के गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रूप में एलआईसी के अध्यक्ष, एमडी एवं सीईओ और दो डीएमडी, एलआईसी के एक आधिकारिक नामिती निदेशक, भारत सरकार के दो नामिती निदेशक और एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित आठ स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं.

31 मार्च 2021 को बोर्ड में चौदह निदेशक यथा गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रूप में श्री एम.आर. कुमार, पूर्णकालिक निदेशक के रूप में श्री राकेश शर्मा, एमडी और सीईओ, श्री सैम्युअल जोसेफ जेबराज और श्री सुरेश खटनहार, डीएमडी; भारत सरकार के नामिती निदेशक के रूप में सुश्री मीरा स्वरूप और श्री अंशुमन शर्मा; गैर-कार्यपालक निदेशक के रूप में एलआईसी के नामिती निदेशक श्री राजेश कंडवाल; तथा स्वतंत्र निदेशकों के रूप में श्री ज्ञान प्रकाश जोशी, श्री भुवनचंद्र बी. जोशी, श्री समरेश परिदा, श्री एन. जम्बुनाथन, श्री दीपक सिंघल, श्री संजय गोकुलदास कल्लापुर और श्रीमती पी.वी. भारती शामिल थे. बोर्ड में शामिल चौदह निदेशकों की वर्तमान संख्या संस्था के अंतर्नियम के अनुच्छेद 114 (ए) के अंतर्गत निर्दिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करती है.

शीर्ष समितियां

आपके बैंक कारोबार और परिचालन के विभिन्न कार्य पहलुओं की देख-रेख करने के लिए बोर्ड की कुल तेरह समितियां हैं. बोर्ड की समितियों में बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति, कार्यपालक समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, हितधारक संबंध समिति, मानव संसाधन संचालन समिति, धोखाधड़ी निगरानी समिति, वसूली समीक्षा समिति, जोखिम प्रबंध समिति, कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व समिति, असहयोगी उधारकर्ता समीक्षा समिति, ग्राहक सेवा समिति, इरादतन चूककर्ता समीक्षा समिति तथा सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति शामिल हैं.

कॉरपोरेट अभिशासन

आपका बैंक कॉरपोरेट अभिशासन की सर्वोत्तम पद्धतियां अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक की मान्यता है कि प्रभावी कॉरपोरेट अभिशासन सिर्फ विनियामक अनुपालन की आवश्यकता मात्र नहीं है, बल्कि हितधारकों के मूल्य में वृद्धि के लिए एक सुसाध्यकारक भी है. आपके बैंक में अपनाई जा रही कॉरपोरेट अभिशासन पद्धतियों का विस्तृत विवरण इस वार्षिक रिपोर्ट में कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट के अंतर्गत एक अलग खंड के रूप में दिया गया है.

कारोबार दायित्व रिपोर्ट

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दिनांक 26 दिसंबर 2019 को सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 में संशोधन किया. संशोधन के अनुसार, बाजार पूंजीकरण पर आधारित शीर्ष एक हजार सूचीबद्ध संस्थाओं की वार्षिक रिपोर्ट में कारोबार दायित्व रिपोर्ट (बीआरआर) शामिल होनी चाहिए. कारोबार दायित्व रिपोर्ट में सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन परिप्रेक्ष्य में आरंभ किए गए पहल-कार्यों का वर्णन होना चाहिए. बैंक की कारोबार दायित्व रिपोर्ट बैंक की वेबसाइट (https://www.idbibank.in/business-responsibility-report.asp) पर प्रदर्शित की गई है.

कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के नियम 5 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के अंतर्गत कथन

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान आपके बैंक की सेवा में ऐसा कोई कार्मिक नहीं था जिसे ₹ 1.02 करोड़ से अधिक का वार्षिक पारिश्रमिक प्राप्त हुआ हो. इसके अतिरिक्त, बैंक की सेवा में वर्ष के किसी हिस्से के लिए ऐसा कोई कार्मिक नहीं था जिसे प्रतिमाह ₹ 8.50 लाख से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त हुआ हो. इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष अथवा उसके किसी हिस्से के दौरान ऐसा कोई कार्मिक नियुक्त नहीं किया गया जिसे बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अथवा उप प्रबंध निदेशक द्वारा आहरित कुल पारिश्रमिक की दर से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त हुआ हो और जिसके पास स्वयं अथवा जिसके पति/पत्नी और आश्रित बच्चों के साथ मिलाकर बैंक के 2% इक्विटी शेयर से अनधिक शेयर धारित हों.

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के नियम 5(2) के अंतर्गत विवरण-शीर्ष 10 कर्मचारियों का ब्योरा

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	प्राप्त वार्षिक पारिश्रमिक (₹)	नियोजन की प्रकृति, यह संविदागत है अथवा अन्य प्रकार का है.	कर्मचारी की अर्हता और अनुभव	नियोजन शुरू करने की तारीख	ऐसे कर्मचारी की आयु	कंपनी में आने से पूर्व ऐसे कर्मचारी द्वारा धारित पिछला नियोजन
1	श्री अशोक कुमार गौतम	कार्यपालक निदेशक	7943711.67	संविदागत	एमबीए, बीएससी (सांख्यिकी), एफआरएम, ट्रेजरी में डिप्लोमा, बैंक प्रबंध में डिप्लोमा, सीएआईआईबी, आईडीबीआई बैंक में अनुभवः 1 वर्ष 9 माह	24 जून 2019	58 वर्ष 2 माह	एक्सिस बैंक
2	सुश्री सोनाली सुबुद्धि	हेड डेटा एनालिटिक्स	5207174.34	संविदागत	सांख्यिकी में मास्टर्स डिग्री, एमबीए - ईपीबीएम (आईआईएम कोलकाता), आईडीबीआई बैंक में अनुभवः 1 वर्ष 9 माह	24 जून 2019	41 वर्ष 10 माह	जॉनसन एंड जॉनसन प्रा. लि.
3	श्री पद्मभूषण बहादुरे	मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी	5161007.34	संविदागत	बी.ई. इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्जीक्यूटिव सीनियर मैनेजमेंट प्रोग्राम - रणनीति प्रबंध, सप्लाय चैन मैनेजमेंट में पी.जी. डिप्लोमा, अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में एक्जीक्यूटिव पी.जी. डिप्लोमा, आईडीबीआई बैंक में अनुभवः 1 वर्ष 7 माह	1 अगस्त 2019	44 वर्ष 8 माह	भारतीय स्टेट बैंक
4	श्री बद्री श्रीनिवास राव	मुख्य महा प्रबंधक	4625782.71	कर्मचारी	बीई, एमबीए, सीओबीओएल, आईबीएम मे फ्रेम में सर्टिफिकेट, प्राज्ञ (हिंदी अर्हता), आईडीबीआई बैंक में अनुभवः 20 वर्ष 1 माह	14 फरवरी 2001	54 वर्ष 1 माह	मेसर्स ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि.
5	श्री नरेश चंद्र बराल	महाप्रबंधक	4525925.15	कर्मचारी	बीई, डी.बी.एम. (डिप्लोमा), मैनेजमेंट में एडवान्स्ड डिप्लोमा, आईडीबीआई बैंक में अनुभवः 26 वर्ष 2 माह	30 जनवरी 1995	52 वर्ष 9 माह	इंडियन चार्ज क्रोम लि.
6	श्री मनीषी चटर्जी	महाप्रबंधक	4125557.06	कर्मचारी	बी. एससी., एम.एससी., प्रिवेंशन ऑफ सायबर क्राइम एंड फ्रॉड मैनेजमेंट, सीएआईआईबी, आईडीबीआई बैंक में अनुभवः 32 वर्ष 4 माह	1 नवंबर 1988	56 वर्ष 9 माह	बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	प्राप्त वार्षिक पारिश्रमिक (₹)	नियोजन की प्रकृति, यह संविदागत है अथवा अन्य प्रकार का है.	कर्मचारी की अर्हता और अनुभव	नियोजन शुरू करने की तारीख	ऐसे कर्मचारी की आयु	कंपनी में आने से पूर्व ऐसे कर्मचारी द्वारा धारित पिछला नियोजन
7	श्री नारायणमूर्ति विष्णुभोटला	कार्यपालक निदेशक	4115778.73	कर्मचारी	बी.कॉम. (ऑनर्स), एम.ए., एम.एफ.एम., वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आईटी और सायबर सिक्युरिटी पर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम, सीएआईआईबी, आईडीबीआई बैंक में अनुभव: 32 वर्ष 7 माह	2 अगस्त 1988	57 वर्ष 7 माह	टाटा शेयर रजिस्ट्री लि.
8	श्री प्रदीप कुमार दास	कार्यपालक निदेशक	3946454.75	कर्मचारी	बी. एससी., एमबीए, एनसीएफएम-एएमएफआई म्यूचुअल फंड (सलाहकार) (मॉड्यूल), वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आईटी और सायबर सिक्युरिटी पर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम, सीएआईआईबी, आईडीबीआई बैंक में अनुभव: 20 वर्ष 2 माह	23 जनवरी 2001	59 वर्ष	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
9	श्री सुनीत सरकार	मुख्य महा प्रबंधक	3937400.29	कर्मचारी	बी.टेक., बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, आई.सी.डब्ल्यू.ए., सीएआईआईबी, आईडीबीआई बैंक में अनुभव: 27 वर्ष 6 माह	1 सितंबर 1993	54 वर्ष 7 माह	ईएसएबी (इंडिया) लिमिटेड
10	श्री ईश्वर पधान	मुख्य महा प्रबंधक	3912470.55	कर्मचारी	बी.ए., एम.ए., सीएआईआईबी, जेएआईआईबी, आईडीबीआई बैंक में अनुभव: 23 वर्ष 3 माह	3 दिसंबर 1997	52 वर्ष 8 माह	राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद

1. *उक्त कर्मचारियों द्वारा धारित शेयरों का, यदि कोई हो तो, प्रतिशत नगण्य है.*
2. *उक्त कर्मचारियों में से कोई भी बैंक के किसी निदेशक या प्रबंधक का संबंधी नहीं है.*

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्रा का अर्जन तथा व्यय

क) ऊर्जा संरक्षण

आपके बैंक द्वारा ऊर्जा संरक्षण की दिशा में शुरू किए गए विभिन्न पहल कार्य निम्नानुसार हैं:

- बैंक के प्रधान कार्यालय, मुंबई सहित बैंक के अन्य कार्यालयों और बैंक आवासीय भवनों में ऊर्जा की खपत कम करने के लिए पारंपरिक बिजली के फिक्सचर के स्थान पर ऊर्जा दक्ष एलईडी लाइट फिक्सचर / लैम्प/ ट्यूब लगाए गए हैं.
- बैंक की शाखाओं में नए साइनेज को पारंपरिक ऊर्जा की खपत वाले लाइट फिक्सचर के स्थान पर नई एलईडी रोशनी वाली लाइटों से सुसज्जित किया जा रहा है.
- सभी नई अथवा नवीकृत शाखाओं में पारंपरिक फ्लोरोसेंट / पीएल लैंप के स्थान पर एलईडी रोशनी का प्रयोग किया जा रहा है.
- एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित बैंक के नए कार्यालय भवन सहित नई दिल्ली के आवासीय भवनों तथा जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (जेएनआईबीएफ), हैदराबाद में विकसित नए आवासीय भवनों में कॉमन बिजली/ पंपों आदि के लिए सौर पैनल लगाए गए हैं. बैंक नए कार्यालय परिसरों में भी एलईडी लाइट फिक्सचर लगाने पर विचार कर रहा है. .
- जेएनआईबीएफ, हैदराबाद में निर्मित नए आवासीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है.

ख) प्रौद्योगिकी समावेशन

आपका बैंक प्रौद्योगिकी-आधारित बैंकिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है. आपके बैंक का यह मानना है कि डिजिटल दूरदर्शिता का प्रतीक है और यह अपने ग्राहकों के साथ-साथ कारोबार संचालन को भी सहायता प्रदान करती है. इससे बैंक को भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में भी मदद मिलती है. आपके बैंक ने कुछ महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी-आधारित सुधार लागू किए हैं, जिनमें प्रमुख हैं: कर्मचारियों

को कार्यालयीन ई-मेल व बैंक के सिस्टम पर वर्चुअल प्राईवेट नेटवर्क (वीपीएन)/ वर्चुअल डेस्कटॉप इंफ्रास्ट्रक्चर (वीडीआई) आधारित एक्सिस उपलब्ध कराना, ई-टेंडरिंग व विडियो कॉन्फ्रेंस आधारित बोली प्रक्रिया अपनाना, डेटा सेंटर (डीसी) केंद्र पर सुरक्षा परिचालन केंद्र (एसओसी) अपग्रेड करना, चेन्नई में डिजास्टर रिकवरी (डीआर) केंद्र पर एसओसी स्थापित करना, डोमैन आधारित संदेश प्राधिकरण, रिपोर्टिंग और अनुरूपता (डीएमएआरसी) एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म लागू करना, हनी प्लॉट सॉल्यूशन लागू करना, एंटरप्राइज नेटवर्क मॉनीटरिंग सॉल्यूशन (ईएनएमएस) लागू करना, सेटेलाइट/ जीपीएस आधारित नेटवर्क टाइम प्रोटोकॉल (एनटीपी) समाधान लागू करना, बैंक के एटीएम स्विच सॉफ्टवेयर वर्जन को अपग्रेड करना, विडियो केवाईसी अकाउंट ओपनिंग (वीएओ), आई-क्विक मोबाइल एप्लिकेशन से खाता खोलना, आरंभ करना, व्हाट्सएप बैंकिंग सुविधा आरंभ करना, विभिन्न एमएसएमई व कृषि उत्पादों के लिए डिजिटलीकृत ऋण कार्रवाई प्रणाली (एलपीएस) शुरू करना और ऑटोमेटेड डेटा फ्लो (एडीएफ) एप्लिकेशन लागू करना. उद्यम-व्यापी डेटा वेयरहाउस (ईडीडबल्यू) के अंतर्गत आपके बैंक ने विभिन्न ऋण उत्पाद संबंधी अनर्जक आस्ति (एनपीए) भविष्यवाणी, कृषि/ एमएसएमई पोर्टफोलियो के लिए नियमित भविष्यवाणी, चालू/ बचत खाते, प्रति-विक्रय, उपरि-बिक्री मॉडल, ग्राहक प्रोफाइलिंग व खंड आदि के लिए कई विश्लेषणात्मक/ भविष्यसूचक मॉडल बनाए हैं.

आपके बैंक में कई प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान और संवर्धन लागू किए जाने के अंतिम चरण में हैं, जिनमें प्रमुख हैं: वॉइस वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) लागू करना व एसएमएस आधारित ओटीपी के विकल्प के रूप में सॉफ्टवेयर टोकन आधारित प्राधिकरण लागू करना, एप्लिकेशन परफॉर्मेंस मॉनीटरिंग सॉल्यूशन लागू करना, एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस मैनेजमेंट (एपीआईएम) सॉल्यूशन लागू करना, ग्राहकों की 24x7 सहायता के लिए चेट बोट सुविधा लागू करना तथा सिक्युरिटी ऑर्केस्ट्रेशन, ऑटोमेशन एंड रिस्पॉन्स (एसओएआर), नेटवर्क व्यवहार विसंगति पड़ताल (एनबीएडी), पैकेट कैप्चर (पीसीएपी), यूजर एंड एंटिटी बिहेवियर एनालिटिक्स (यूईबीए) तथा डीसी और डीआर केंद्रों पर आधुनिक एसओसी निर्माण के लिए थ्रेट इंटेलिजेंस प्लेटफ़ॉर्म (टीआईपी) जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग.

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए अन्य पहल कार्यों का ब्योरा वार्षिक रिपोर्ट के प्रबंध विवेचना एवं विश्लेषण खंड में दिया गया है.

ग) विदेशी मुद्रा विनिमय अर्जन एवं व्यय

वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा अर्जित कुल विदेशी मुद्रा ₹ 51.36 करोड़ (डेरिवेटिव और विदेशी मुद्रा विनिमय लेनदेन में विदेशी मुद्रा नकदी प्रवाह को छोड़कर) थी और परिचालन और पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं के लिए कुल विदेशी मुद्रा व्यय ₹ 36.23 करोड़ था.

भारतीय रिज़र्व बैंक की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) से बाहर आना

आपके बैंक ने आरबीआई को इस बात की प्रतिबद्धता दी है कि वह न्यूनतम नियामक पूंजी, निवल अनर्जक आस्तियों (एनपीए) और लिवरेज अनुपात संबंधी मानदंडों का सतत अनुपालन करेगा तथा इसने आरबीआई को उन संरचनात्मक और प्रणालीगत सुधारों के बारे में भी अवगत कराया है, जो बैंक को अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने में मदद प्रदान करेंगे. बैंक की उक्त प्रतिबद्धता तथा दिसंबर 2020 की समाप्ति पर जोखिम भारित परिसंपत्ति की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) 14.47% होने, 12.22% की सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी 1) होने, निवल एनपीए 1.94% होने तथा लिवरेज अनुपात 5.71% होने के कारण पीसीए रूपरेखा का उल्लंघन न होने के परिप्रेक्ष्य में आरबीआई ने अपने 10 मार्च 2021 के पत्र द्वारा कतिपय शर्तों और सतत निगरानी के अधीन बैंक पर पीसीए रूपरेखा के तहत लागू किए गए प्रतिबंध हटाने का निश्चय किया है.

निदेशकों की जिम्मेदारी के संबंध में कथन

निदेशक मंडल एतद्वारा घोषणा और पुष्टि करता है कि:

क. वार्षिक लेखों को तैयार करने में लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया है. साथ ही तात्विक रूप से अनुसरण न किये गये मामलों में उचित स्पष्टीकरण दिया गया है;

ख. निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया है और उनका निरंतर प्रयोग किया है तथा ऐसे निर्णय लिए हैं एवं अनुमान लगाए हैं जो वित्त वर्ष के अंत में बैंक की स्थिति और इसी अवधि में बैंक के लाभ अथवा हानि की सही एवं उचित तस्वीर प्रस्तुत करने के लिए यथोचित तथा विवेकपूर्ण हैं;

ग. निदेशकों ने आपके बैंक की आस्तियों की सुरक्षा तथा धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकार्डों के रख-रखाव के लिए उचित और पर्याप्त सावधानी बरती है;

घ. निदेशकों ने कार्यशील संस्था के आधार पर वार्षिक लेखे तैयार किए हैं.

ङ. निदेशक मंडल ने बैंक द्वारा अनुसरण किए जाने के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए हैं तथा कि ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं; और

च. निदेशक मंडल ने लागू सभी नियमों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियाँ तैयार की थीं तथा कि ये प्रणालियाँ पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं .

आभार

आपके बैंक का निदेशक मंडल भारत सरकार, रिज़र्व बैंक, अन्य सभी सांविधिक/ विनियामक प्राधिकरणों तथा एलआईसी का उनके बहुमूल्य सहयोग और मार्गदर्शन के लिए हृदय से आभारी है. निदेशक मंडल विभिन्न राज्य सरकारों और अन्य बैंकों / वित्तीय संस्थाओं का भी उनके द्वारा दिये गये सहयोग और सहायता के लिए आभार मानता है. निदेशक मंडल विभिन्न बहुपक्षीय संस्थाओं और अंतर्राष्ट्रीय बैंकों/ संस्थाओं से मिले सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद देता है. बोर्ड अपने सभी निष्ठावान शेयरधारकों और ग्राहकों का वर्ष के दौरान उनके द्वारा दिये गये सहयोग के लिए हृदय से आभार प्रकट करता है और भविष्य में भी उनसे सतत् सहयोग की अपेक्षा करता है. निदेशक मंडल अपने समस्त स्टाफ की निष्ठापूर्ण और समर्पित सेवाओं की सराहना करता है और बैंक के प्रति उनकी वचनबद्धता का अत्यधिक सम्मान करता है.

[सुरेश खटनहार]
उप प्रबंध निदेशक

[सैम्युअल जोसेफ जेबराज]
उप प्रबंध निदेशक

[राकेश शर्मा]
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

स्थान : मुंबई
दिनांक: 03 मई 2021